भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 350
दिनांक 09/12/2022

गेहूं की गर्मी प्रतिरोधी किस्म को बढ़ावा देना

350. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पीबीडब्ल्यू 803, डीबीडब्ल्यू 187 और डीबीडब्ल्यू 222 जैसी गेहूं की कई गर्मी प्रतिरोधी किस्में एचडी-3086 की स्थानीय किस्म की तुलना में उच्च तापमान को सहन कर सकती हैं और सामान्य उपज का उत्पादन कर सकती हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का देश में किसानों के बीच गेहूं की गर्मी प्रतिरोधी किस्म के उपयोग को बढ़ावा देने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या गर्मी प्रतिरोधी गेहूं की व्यवहार्यता, उत्पाद गुणवत्ता और मिट्टी पर और भूमिगत जल पर इसके प्रभाव की जांच करने के लिए सरकार द्वारा देश में कोई प्रायोगिक परियोजना चलाई गई है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): जहां तक ताप सहिष्णुता का संबंध है, गेहूं की किस्मों डीबीडब्ल्यू 187 व डीबीडब्ल्यू 222 को एचडी-3086 के मुकाबले बेहतर पाया गया है। फसल मौसम 2021-22 के दौरान डीबीडब्ल्यू 187 तथा डीबीडब्ल्यू 222 किस्मों ने एचडी-3086 की तुलना में ताप सहिष्णुता दर्शाई है तथा इससे क्रमश: 3.6% और 5.4% का पैदावार लाभ प्राप्त हुआ है (स्रोत: गेहूं और जौ संबंधी एआईसीआरपी प्रगति रिपोर्ट, 2020-21 और 2021-22)।

.....2/-

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना द्वारा विकसित पीबीडब्ल्यू 803 किस्म सिंचित समय पर बुआई स्थिति के अनुकूल है तथा ब्राउन रस्ट की प्रतिरोधी व स्ट्राइप रस्ट की सामान्य प्रतिरोधी है। इस किस्म की ताप सहिष्णु किस्म के तौर पर सिफारिश नहीं की गई है।

(ख): सरकार का उद्देश्य है कि वह सार्वजनिक व प्राइवेट साझेदारी द्वारा तथा किसानों को बीजों की सीधी पूर्ति करके किसानों में ताप प्रतिरोधी किस्मों के उपयोग को बढ़ावा दे। इन किस्मों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भाकृअप के अंतर्गत भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (आईआईडब्ल्यूबीआर), करनाल ने बीज उत्पादन हेतु प्राइवेट कंपनियों के साथ डीबीडब्ल्यू 187 के लिए 250 समझौता ज्ञापनों (एमओए) तथा डीबीडल्ब्यू 222 के लिए 191 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान ने फसल मौसम 2021-22 के दौरान डीबीडब्ल्यू 187 के 2500 क्विंटल से अधिक बीजों का तथा डीबीडब्ल्यू 222 के 1250 क्विंटल बीजों का वितरण किया है।

(ग): जी, हाँ। आईसीएआर-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल ने ताप सहिष्णु किस्मों के लिए ''भारत के गरम क्षेत्रों की दबावकारी स्थितियों के लिए उच्च पैदावार वाले व्हीट-जीनोटाइप का प्रजनन'' (ब्रीडिंग हाई यील्डिंग व्हीट जीनोटाइपस फॉर स्ट्रेस कन्डीशन्स ऑफ वार्मर रीजन्स ऑफ इंडिया) नामक विशिष्ट अनुसंधान परियोजना शुरू की है। इसके अलावा, आईसीएआर-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल जलवायु अनुकूल गेहूं किस्मों के विकास पर इन्टरनेशनल मेज़ एंड व्हीट इम्प्रूवमेंट सेन्टर (सीआईएमएमवाईटी), मेक्सिको के साथ सहयोगात्मक रूप से काम कर रहा है।

****